

# 11.60% की विकास दर से आगे बढ़ रहा मप्र

प्रशासनिक संवाददाता  
भोपाल, 27 मार्च. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है. हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं. आज हमारा मप्र देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है.

मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है. राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक

## दिल्ली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा

आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है. जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और आधुनिक विकास के लिए भी सही जरूरी कदम उठा रहे हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है. हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है. हमने

बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रोजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मप्र में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है. उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है. यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है. लाइली बहना योजना में हमारी 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहने हैं. इनके हित में हम हर महीने 1500-

1500 रुपये खाते में डाल रहे हैं. किसानों को किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं. भारत सरकार के वित्तीय व्यवस्था के जो उच्चतम माहडंड है उसके दायरे में रहकर हम अपनी आय-व्यय को विनियमित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं.

नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे: मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं. उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस

## राज्यों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध होना चाहिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल और वायु हमेशा सीमाओं से परे होती है. हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मप्र को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है. यह परियोजना राज्यों के हित में है. इस राष्ट्रीय परियोजना की 90 प्रतिशत लागत राशि भारत सरकार दे रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश तो नदियों का मायाका है. यहां 250 से ज्यादा नदियां हैं. हमारे पड़ोसी राज्य राजस्थान के 15 जिले सालों से पीने के पानी, उद्योग और सिंचाई के लिए भारी कष्ट में थे. माननीय अटल जी की सरकार के वक्त नदी जोड़ो योजना बनी थी लेकिन राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकार के साथ तालमेल न होने से इस विषय को लटकाए रखा.

पद की गरिमा का पतन कर दिया है. भारत-पाकिस्तान में स्ट्राइक हो रही है और अपोजिशन लीडर सेना का मनोबल गिरा रहे हैं. ऐसा पहले कभी नहीं हुआ. वर्ष 1971 में बांग्लादेश के समय स्व. अटल

बिहारी वाजपेई पूरी दृढ़ता से सरकार के साथ खड़े रहे. उन्होंने कहा था हम सेना के साथ हैं. जब राष्ट्रीय संकट हो तो देश के साथ रहना चाहिए, यह विषय को सीखना चाहिए.



## प्रदेश में मौसम की दोहरी मार, तापमान 41 डिग्री पार

07 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल, 27 मार्च. मध्य प्रदेश में मार्च के अंतिम सप्ताह में मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है. एक तरफ गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा दिया है, वहीं दूसरी ओर मौसम अचानक बदल रहा है. शुक्रवार को मौसम विभाग ने ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है. 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है. प्रदेश में इस सीजन पहली बार नर्मदापुरम

में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो अब तक का सबसे अधिक है. इसके अलावा ग्वालियर में 38.6, भोपाल में 37.4, इंदौर में 37.2 और उज्जैन में 37.7 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया. कई अन्य जिलों में पारा 37 से 39 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे दिन में तेज गर्मी का अहसास हो रहा है.

मौसम विभाग के अनुसार यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) के कारण हो रहा है. प्रदेश के ऊपरी हिस्से में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जबकि पश्चिमी क्षेत्रों में दो चक्रवाती सिस्टम बन रहे हैं. इनके संयुक्त प्रभाव से वातावरण में नमी बढ़ रही है और आंधी-बारिश का दौर बन रहा है.

प्रदेश के करीब 28 जिलों में 30 मार्च तक इस सिस्टम का असर दिख सकता है. भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है. हालांकि यह बारिश आम लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर देगी, लेकिन किसानों के लिए चिंता का विषय बन सकती है. इससे पहले मार्च में आए दो दौर की बारिश और ओलावृष्टि ने गेहूँ, पीपती आर केले की फसलों को नुकसान पहुंचाया था.

## एक नजर में

ईडी ने 12.62 करोड़ की दो अचल संपत्ति जब्त की

भोपाल. ईडी ने मेसर्स एक्सल हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके डायरेक्टर्स मंजु गर्ग व ऋषभ गर्ग से जुड़े बैंक फ्रॉड मामले में पीएमएलए के तहत 12.62 करोड़ रुपए की दो अचल संपत्तियां जब्त की हैं. जब्त संपत्ति में एक कृषि भूमि और एक कमर्शियल प्लॉट शामिल है. सीबीआई और एसीबी ने बैंक ऑफ इंडिया के साथ कथित 42 करोड़ रुपए के फ्रॉड मामले में एफआईआर दर्ज की थी. जांच में सामने आया कि कंपनी ने टाटा मोटर्स की डीलरशिप के लिए बैंक से क्रेडिट सुविधा ली, लेकिन कोलेटरल सिक्वोरिटीज में गलत जानकारी दी और पहले से गिरवी रखी संपत्ति का विवरण छुपाया.

## वंदे भारत, शताब्दी में डीआरएम ने किया निरीक्षण

भोपाल. मंडल रेल प्रबंधक भोपाल पंकज त्यागी ने वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर सचिंत शर्मा और वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर आरपी खरे के साथ मंडल में सुरक्षा और यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया. डीआरएम ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से झांसी के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में फुटप्लेट निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने लोको पायलट के साथ सुरक्षा मानकों का अवलोकन किया और यात्रियों से संवाद कर सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया. झांसी में रनिंग रूम की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए क्रू को बेहतर सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए.

## डायल 112 की तत्परता से बची 3 की जान घायलों को समय पर पहुंचाया अस्पताल

विशेष संवाददाता  
भोपाल, 27 मार्च. मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए रतलाम जिले में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल एक बच्ची सहित तीन लोगों को समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई.

यह घटना 26 मार्च को जावरा के औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत बेगमपुर चौराहे के पास सवेरा होटल के निकट हुई. राज्य स्तरीय डायल-112 कंट्रोल कक्ष, भोपाल को सूचना मिली कि एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें पति-पत्नी और एक बच्ची घायल हो गए



हैं. सूचना मिलते ही निकटतम डायल-112 वाहन को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया. मौके पर पहुंचकर आरक्षक संदीप कुमारे और चालक नंद लाल ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत वाहन की मदद से जावरा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया. डायल-112 टीम की त्वरित कार्रवाई के कारण सभी घायलों को समय पर उपचार मिल सका. यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस आपात स्थिति में आमजन को सहायता के लिए सदैव सजग, संवेदनशील और प्रतिबद्ध है.

## खिलाफत

यह फैसला पहले से महंगाई से जूझ रही जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगा: पटवारी

## जीतू ने बिजली दर वृद्धि का किया विरोध

विशेष संवाददाता  
भोपाल, 27 मार्च. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर 1 अप्रैल से प्रस्तावित 4.80 प्रतिशत बिजली दर वृद्धि का कड़ा विरोध किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला पहले से महंगाई से जूझ रही जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगा.

पटवारी ने अपने पत्र में कहा कि जब खाद्य पदार्थ, ईंधन और शिक्षा जैसे आवश्यक चीजों की लागत लगातार बढ़ रही है, ऐसे समय में सरकार इस वृद्धि की



आवश्यकता को स्पष्ट करने में विफल रही है. उन्होंने कहा कि यह कोई मामूली बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि पिछले एक दशक में 22 से 24 प्रतिशत तक हुई निरंतर वृद्धि का हिस्सा है. आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि घरेलू

उपभोक्ताओं के लिए 0 से 50 यूनिट की दर 3.65 रुपये से बढ़कर 4.45 रुपये प्रति यूनिट हो गई है, जो 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाती है. साथ ही, ईंधन एवं विद्युत क्रय समायोजन अधिभार के नाम पर हर महीने 3 प्रतिशत से अधिक का अतिरिक्त बोझ भी उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है. पटवारी ने बार-बार हो रही

दर वृद्धि पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिजली कंपनियों के चांटे की जनबादेंही तय क्यों नहीं की जाती और क्या कुप्रबंधन तथा कथित भ्रष्टाचार का भार आम जनता पर डाला जा रहा है. उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में दी जा रही छूट को भी सीमित लाभ वाला कदम बताते हुए इसे नीतिगत दिखावा करार दिया.

## प्रदेश में 2888 एलपीजी सिलेंडर जब्त 09 प्रकरणों में एफआईआर



प्रशासनिक संवाददाता  
भोपाल, 27 मार्च. प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है. भारत की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है. जिससे सप्लाई में कोई रुकावट नहीं है.

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है. अभी तक 2046 स्थानों पर जांच की गई और 2888 एलपीजी सिलेंडर जब्त किये गए तथा 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई

## 9 केएल पेट्रोल और 18 केएल डीजल की बिक्री

मप्र में सामान्य बिक्री प्रतिदिन लगभग 9 केएल पेट्रोल और 18 केएल डीजल की होती है. पिछले कुछ दिनों में ग्राहकों द्वारा पैनिक बाइंग करने से कुछ जिलों में बिक्री 2 से 2.5 गुना बढ़ गई है. इसी वजह से कुछ पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइनें और अस्थायी रूप से स्टॉक खत्म होने जैसी स्थिति बनी थी. पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की कमी की कोई स्थिति नहीं है. कंपनी के डिपो से भी डीजल/पेट्रोल की लगातार पूर्ति की जा रही है.

## क्या मध्यप्रदेश में भी वैट घटाएगी सरकार

पेट्रोल पर 29 और डीजल पर 23.22% वैट ले रही सरकार

प्रशासनिक संवाददाता  
भोपाल, 27 मार्च. केंद्र सरकार ने डीजल-पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती कर दी है. इसी के साथ अब यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या मप्र सरकार भी डीजल-पेट्रोल पर लिये जाने वाले वैट में कटौती करेगी. मप्र देश के उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हैं, जहां सबसे अधिक वैट लिया जाता है.

राज्य सरकार पेट्रोल पर 29 फीसदी वैट ले रही है, इसके अलावा 2.5 रुपए प्रति लीटर अतिरिक्त टैक्स भी वसूल रही है, इतना ही नहीं एक प्रतिशत सेस भी लिया जा रहा है. इस तरह प्रदेश में

है. ऐसे में ये सवाल उठ रहा है कि जब केंद्र सरकार ने कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती कर दी है तो क्या सरकार भी केंद्र सरकार के नक्शे कदम पर चलते हुए वैट में कमी करेगी या फिर अतिरिक्त टैक्स की वसूली या फिर सेस की वसूली बंद करेगी. डीजल, पेट्रोल को अभी जीएसटी के दायरे में नहीं लाया जा सका है.

अभी मप्र सहित सभी राज्य वैट लगा रहे हैं, इससे राज्य सरकार को ज्यादा आमदनी हो रही है. इसलिए राज्य इसे जीएसटी के दायरे में लाने का लगातार विरोध कर रहे हैं.

## सिंहस्थ की सड़क में लापरवाही पांच लाख की ठोकी पेनल्टी

इजरायल-अमेरिका के साथ ईरान के युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों की सामान्य आवाजाही प्रभावित हुई है. हालांकि भारत पर अब तक इसका असर नहीं पड़ा है और देश में दुनिया के कई दूसरे देशों से भी पेट्रोलियम, एलपीजी की आवक बढ़ा दी गई है, लेकिन अफवाहों के चलते प्रदेश के कुछ शहरों के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लगने लगी है, वहीं एलपीजी के लिए भी लोगों में घबराहट की स्थिति बनी हुई है. इस कारण प्रदेश में डीजल, पेट्रोल की 25 फीसदी तक खपत बढ़ गई है.



## सीएम की परिकल्पना को सिंहस्थ

दरअसल, मुख्यमंत्री मोहन यादव की परिकल्पना के अनुसार सिंहस्थ 2028 को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं. शहर में सड़क चौड़ीकरण, नए ब्रिज और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम चल रहा है.

वांछित प्रगति नहीं मिलने पर भी एजेंसी पर 5 लाख रुपये की पेनाल्टी लगाई. अधिकारियों ने स्पष्ट किया

## समय सीमा में हो निर्माण

संभाग आयुक्त आशीष सिंह, जो सिंहस्थ मेला अधिकारी भी हैं, ने साफ कहा कि सभी निर्माण कार्य समयसीमा में पूरे किए जाएं. निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता और गति दोनों का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सिंहस्थ के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सके.

## जून सोमवारिया से बड़े पुल तक

जून सोमवारिया से बड़े पुल तक सड़क चौड़ीकरण कार्य भी चल रहा है, साथ ही भूखी माता मंदिर के पास बन रहे ब्रिज निर्माण की प्रगति की समीक्षा भी लगातार की जा रही, कार्य में तेजी लाने के संबंध में बैठके भी ली जा रही, अफसरों को मानना है कि सिंहस्थ के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो.

लापरवाही पर बरसे अफसर- सिंहस्थ की जरूरी सड़क के निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य धीमी गति से किया जा रहा है और निर्धारित समय के अनुसार प्रगति नहीं हो रही है. इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह से लेकर सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने ठेकेदार पर 5 लाख रुपये की पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए गए.

## वाराणसी में गुंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

03 से 5 अप्रैल तक भव्य मंचन  
भोपाल, 27 मार्च. मध्यप्रदेश सरकार की पहल पर गौरवमयी अभियान विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत वाराणसी में 3 से 5 अप्रैल तक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन किया जाएगा.

आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह सांस्कृतिक आयोजन उज्जैन से शुरू हुई श्रृंखला का विस्तार है, जो अब काशी तक पहुंच रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के प्रतीक हैं और यह मंचन जन-जन को उस गौरवशाली कालखंड से परिचित कराएगा. तीन दिवसीय इस महानाट्य में सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, न्याय और जनकल्याणकारी शासन की गाथा का मंचन किया जाएगा. इसमें शकों पर विजय, विक्रम संवत् की स्थापना तथा नवरत्न परंपरा जैसे ऐतिहासिक पहलुओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा. आयोजन के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारतीय परंपरा के मूल्यों को दर्शाने का प्रयास किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व दिल्ली के लाल किले पर इसके मंचन को सराहना मिल चुकी है.

## कुणाल चौधरी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र किसानों को राहत देने की मांग

भोपाल. कांग्रेस सचिव एवं कालापीपल के पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश के किसानों को राहत देने की मांग की है. चौधरी ने अपने पत्र में कहा कि मध्य प्रदेश के किसान लगातार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं. मौसम की अनियमितता, फसलों के उचित दाम नहीं मिलना और सरकारी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन न होने के कारण किसानों की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है. उन्होंने 28 मार्च को कृषि ऋण अदायगी की निर्धारित अंतिम तिथि पर भी चिंता जताई. चौधरी ने कहा कि अभी तक गेहूँ खरीदी शुरू नहीं हुई है और किसानों की फसलें बिना बिके पड़ी हैं, ऐसे में ऋण चुकाना उनके लिए संभव नहीं है. उन्होंने सरकार से मांग की कि ऋण वसूली की अंतिम तिथि को खरीदी प्रक्रिया पूरी होने तक बढ़ाया जाए और 18 प्रतिशत ढंकात्मक ब्याज को माफ किया जाए. साथ ही, बिजली बिल वसूली में सख्ती के मामलों की निंदा करते हुए उन्होंने किसानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने तथा बिजली बिल माफ़ी या व्यापक राहत पैकेज देने की मांग की.

